रामचंद्र की वारहमासी



मतवअ मुस्तफाई द
हली में छपी

श्रीगणेशायनमः

अथ श्रीरामचंद्र जीकीबार
हमासीलिख्यंते ॥
चैत आयो अयोध्यामेंजन्मेश्री
राम॥ चंदनसोंलिपवायरी
धामगजमोतियनके चोकपु
राय॥ सोनेके कलसदिये
भरवाय॥ धरे घटमंदिर॥
पठवेतुमनारि बेरन और
बन बालकमोरे ॥ १ ॥
वैशाखमास करतारी

षमलागि ॥ चलतपवन ।
मानौ वरषत आग ॥ जैसे
जलबिन तलफतमीन ॥
सोगन हमरी केकैने कीन
दियेदुख दारुन ॥ पठये ॥
२ जैटमास लूलागत अंग
रामलछमण और सीता
संग ॥ * रामचंद्र पद
कँवलसमान ॥
पजरत धरती और आस

समान॥ चलेमगाकैसे पठवे॥२॥ आसाढमास घन गरजत शोर। रटत पपीहा कोहै कतमोर॥ ठाडी कोशिल्या अवधपुर धाम भीजत होंगे सियेलक्ष्मन राम॥ खड़े तरवर तर। पठे ये॥४॥ सावनमेंसरसोन री नीर। कैसेधरे कोशिल्या धीर॥ छोटी छोटी बूंदनब

रषतनीर॥ भोजनहोंयगे
रघुवीर॥ कमकरडलोगा
पठये॥५॥ भादौंमेंमरवी
नीरअपार॥ घरअपनेसवि
हीसंसार॥ गुंजतकुंजिलपि
रभुजंग॥ ग्रामलदालाऔर
सीतासंगारैनिऔधियारि
पठये॥६॥ लागामरवीमा
सक्कार॥ धरमकरतसवही
संसार॥ औघरहोतिसियल

रुमणराम। विप्राजमावतीमें
देतीदान। थालभरमोती। प
ठ्ये ७ लागारीसखीकार्तिक
मास ऊठनकलेजेमेंदुखकीफां
स घरघरदीपकजोवतनार
मेरी अयोध्यापडीअंधियार
करीकिकैन। पठ्ये ८॥ अग
हनमेंसखी कुंवरकरतीसिं
गार॥ कपडासिमावतीमेंसी
लेकेतार॥ पटपीताकरकुलघ

कमानशिरपैचीराज़रदसी
पाग।गलेवैज़ंतीमालापर
या।८लागारीसखीपूसज़ोमा
स।रैनभईजैसेखांडेकीधार
कुशआसनकैसेपौढ़ेंगेराम
कैसेकरेवनमेंविसराममो
जनमजरीको।।परया।।१०
मामासवरतफूलेबसंतमैं
कैसेजियोंरीबिनभगवंत
मरीअयोध्याकेशिरकेमौर
टरगयेजातऔठौरचोर

न धरोरी १२ फागुनरागार
च्यामबकोई चोया चंदनला
तरसुगंध टाठ भरतजी धौरे भ्रा
वीरकौनपछ्छडकू विनारघु
वीर मेंकेसे ॥ १२ जोगावेज्यै
ईबारह मास सोपावतवे
कुरही बम कहतभवानी
म्रवधपुराधाम वतसिम्रा
यि श्रीलक्षमणराम मिल
के केसा पठये ॥

इतिबारह

मासीश्रीरामचंद्रकी